नवदुनिया
(07-08-2015)

गोली लगाने से पहले ही मर चुका था धर्मेंद्र!

पीएम में मिले मौत से 10 घंटे पहले के डेढ़ दर्जन चोट के निशान, पैर एवं कूल्हे पर मारपीट के कारण बने नीले निशान

ग्वालियर @ दीपक तोमर

[illegible] ग्वालियर निवासी धर्मेंद्र कुशवाह की मौत एनकाउंटर से पहले ही [illegible] उसके शरीर पर चोट के जो निशान हैं, वह 10 से 12 घंटे पुराने हैं। पूछताछ के दौरान थर्ड डिग्री बर्दाश्त नहीं होना ही मौत का कारण हो सकता है। मृतक का पीएम करने वाले डॉक्टरों को ऐसे साक्ष्य मिले हैं। हालांकि वह खुलकर कुछ नहीं बोल रहे। पीएम रिपोर्ट [illegible] के लिए डॉक्टरों पर दबाव है, लेकिन [illegible] घटना स्थल के फोटोग्राफ सभी के पास होने पर ऐसा संभव नहीं है। [illegible] हरेंद्र राणा की गैंग को बर्स्ट करने के फेर [illegible] आरोप लग रहे हैं। धर्मेंद्र कुशवाह नामक [illegible] बात कह रही है, उस पर कई सवाल खड़े

(शेष पेज-11 पर)

48 घंटे बाद भी नहीं ली पीएम रिपोर्ट

पीएम में सारी हकीकत सामने आ जाएगी यह सोच कर पुलिस अधिकारी सकते में हैं। यह भी पता है। यही वजह है कि पुलिस अब तक पीएम रिपोर्ट लेने नहीं पहुंची। जेएएच प्रबंधन के अनुसार रिपोर्ट तैयार हो चुकी है, जो पुलिस को उपलब्ध करा दी जाएगी।

शरीर से नहीं निकला एक यूनिट ब्लड

आम तौर पर मुठभेड़ में घटनास्थल खून से लथपथ मिलता है, लेकिन इस मामले में घटनास्थल पर एक यूनिट ब्लड भी नहीं फैला था। डॉक्टरों के अनुसार जीवित व्यक्ति के गोली लगती है तो ज्यादा खून निकलता है, लेकिन मृत व्यक्ति को गोली मारी जाएगी तो नाममात्र का खून निकलेगा, क्योंकि मृत व्यक्ति के शरीर में खून का प्रवाह थम जाता है। साथ ही धर्मेंद्र के साथ की मारपीट से शरीर की ऊपरी परत पर आकर खून जम गया था, जिससे नीले रंग के निशान पड़ गए थे। इसी वजह से घटना स्थल पर ब्लड कम मिला।

पेज 1 का शेष...

गोली लगाने से पहले मर चुका था धर्मेंद्र!

जेएएच में तीन डॉक्टरों के पैनल ने शव का पीएम किया है और इसकी वीडियोग्राफी भी की गई है। सूत्रों के अनुसार पीएम के दौरान ऐसे कई साक्ष्य मिले हैं, जिनसे गोली लगना मौत का कारण नहीं बन रहा। संभवतः धर्मेंद्र की मौत पहले हो गई थी और उसके बाद परिस्थितियां बदलने के लिए एन्काउंटर की रचना की गई। धर्मेंद्र के परिजनों का आरोप है कि पुलिस ने शनिवार को ही उसे गिरफ्तार कर लिया था और अब यह बात सच साबित होती दिख रही है। धर्मेंद्र के शरीर पर लगभग डेढ़ दर्जन निशान थे। जिसमें कूल्हे, घुटने एवं जांघ पर नीले निशान थे, जो संभवतः खून जमने की वजह से पड़े थे। सूत्रों के अनुसार पुलिस ने पूछताछ के लिए धर्मेंद्र को भूखा-प्यासा रखा था और उस पर थर्ड डिग्री का इस्तेमाल किया। इसी दौरान शरीर के नाजुक अंग पर चोट लगी, जिससे धर्मेंद्र की मौत हो गई। जब पुलिसकर्मियों को कुछ समझ नहीं आया तो उसका एन्काउंटर दर्शा दिया।

इन डॉक्टरों ने किया पीएम

- डॉ. सार्थक जुगरान, विभागाध्यक्ष, फॉरेंसिक मेडिसिन
- डॉ. चन्द्रशेखर वाघमारे
- डॉ. बीएस तोमर

मुठभेड़ से उठते सवाल

- मृतक धर्मेंद्र के शरीर पर डेढ़ दर्जन चोट के निशान कैसे आए?
- पुलिस ने एन्काउंटर किया है तो घुटने, कूल्हे पर खून के थक्के कैसे जमे?
- मृतक के गुप्तांगों पर चोट के निशान दिखाई दे रहे हैं, वह कैसे आए?
- धर्मेंद्र के शरीर पर जो कपड़े थे, वह पूरी तरह साफ कैसे थे?
- धर्मेंद्र गवाह को मारने वाला था, तो क्या शक के आधार पर किसी को मारना उचित है।
- पुलिस को शक था तो धर्मेंद्र को गैंग के गुर्गों के साथ गिरफ्तार क्यों नहीं किया।

इनका कहना है

पीएम रिपोर्ट तैयार हो गई है, इसकी मुझे जानकारी नहीं थी। कल ही रिपोर्ट मंगवा ली जाएगी। जहां तक फर्जी एन्काउंटर की बात है तो हमारे पास मुठभेड़ होने के पर्याप्त सबूत मौजूद है। मृतक के शरीर पर जो निशान हैं, वह एन्काउंटर से पहले बदमाशों में हुई मारपीट के हो सकते हैं। इस संबंध में सभी जवाब पेश कर दिए जाएंगे।

प्रतिभा मैथ्यू, एडिशनल एसपी, क्राइम ब्रांच